[श्री चतुरानन मिश्र]

लोजी करने से क्या होगा । किसी की गरदन काट कर अपोलोजी मांगने से क्या होगा । ऑपन थ्रेट करने के बाद अपोलोजी जनरल एमनेस्टी, यह सब सरकार इकोनोमिक ऑफेन्स वालों के लिये करती है किन्तु यह उसका मामला नहीं है । जान माल पर खतरा या दंगों की धमकी पर उस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिये । (**व्यवधान**) जब ऐसे मामले आते हैं तो भीतर-भीतर मेल से होते हैं लेकिन उसका कुछ पता नहीं चलता है ।

Need to hold talks with the Government of Nepal to check floods in rivers originating from Nepal and flowing through North *Bihar*.

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : महोदया, मेरा विषय यह है कि जैसा आप जानती हैं, उत्तरी बिहार में बहुत-सी नदियां नेपाल से आती हैं । उनके चलते इस साल भी वहां पर भयंकर बाढ़ आई थीं जिसमे बहुत बर्बादी हुई । इस समस्या का समाधान निकालने में आजादी के चालीस साल में भी सरकार असफल रही है । हम लोगों ने कई बार यह सवाल उठाया । अभी हाल में हमारा एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल सरकार से बातचीत करने के लिये वहां गया था । मुख्य विषय यह है कि ये जो नदियां वहां से आती हैं उनमें अगर मल्टी-परपज डेम बनाये जायें और बिजली का उत्पादन हो तो इस समस्या का निदान निकल सकता है । वहां कोसी नदी है उसमे बाराह क्षेत्र में डेम बनाने की फिजिबिलीटी रिपोर्ट भी तैयार की गयी थी और उसकी टेक्नो-फिजिकल रिपोर्ट नेपाल सरकार को दे दी गई थी । इसी प्रकार से कमला, बागमती नदियों में शीशापानी और नूनथर में डेम बनाने की योजना है । दुर्भाग्य से हमारी सरकार ने पिछले चार साल से नेपाल सरकार से इस सम्बन्ध में कोई बातचीत नहीं की है । इधर सरकार ने इम्बेंकमेंट के जरिये बाढ़ रोकने के लिये कोशिश की है । रिवर बैड में सतह ऊपर हो जाने के कारण बाढ़ आ जाती है और इम्बेंकमेंट्स भी बह जाते हैं । अब कुछ ही महीनों के बाद बिहार में फिर बाढ़ आयेगी । मैं एक दो बातों की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । आपकी आफिसर्स लेवल पर तो बातचीत हुई, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि मंत्री स्तर और पोलिटिकल लेवल पर भी बातचीत की जाय और इस समस्या का निदान निकाला जाय । नहीं तो फिर इसी प्रकार से भयंकर बाढ़ आयेगी और बर्बादी होगी ।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहूंगा कि जिन बिन्दुओं पर नेपाल सरकार का मतभेद है, जैसे इलेक्ट्रिसिटी रेट के बारे में मतभेद है, टोटल जो खर्च होगा, उसको कौन देगा, इन सब बातों के बारे में जल्दी से जल्दी निर्णय लिया जाय, नहीं तो इस क्षेत्र की इकनोमी बिलकुल बर्बाद हो जायेगी । मैं यह भी अनुरोध करूंगा कि नेपाल के महाराजा के स्तर पर एक बार हमारे वर्तमान प्रधान मंत्री ने इस सवाल को उठाया था और इसकी सिर्फ चर्चा की थी । यह बात उनकी काठमाण्डु में हुयी थी । लेकिन उसके बाद आगे बातचीत नहीं हुई । इसलिये मैं यह भी अनुरोध करना चाहूंगा कि जब मिनिस्टर लेवल पर काम हो जाय तो महाराजा के स्तर पर भी जल्दी इस सम्बन्ध मे बातचीत की जाय ताकि इस समस्या का निदान हो सके ।

Threat to the life of Shri Faguni Prasad Yadav, an ex-MLA for exposing the gang-rape of women of Padaria Village (Bihar)

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव (बिहार) : माननीय उपसभापति महोदया, 18-2-88 को बिहार के पड़रिया गांव, जसीडीह थाना, जिला देवघर में अमानुषिक जघन्य, बर्बरतापूर्ण और शर्मनाक बलात्कार का काण्ड हुआ, जिसमें उस गांव की सभी महिलाओं के साथ, 19-19 महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, सामूहिक बलात्कार किया गया । इतना ही नहीं, वहां पर 76 वर्ष के श्री जयराम यादव की छप्पर को तोड़ दिया गया और उसकी गुदा में लाठी घुसा दी गयी । उनके घर में जो पांच महिलायें थीं उनके साथ बलात्कार किया गया । वहां पर एक भी ऐसा परिवार नहीं रहा जिसकी परिवार की महिलाओं के साथ बलात्कार नहीं किया गया हो, उनको पीटा नहीं गया हो । मैं नहीं जानता कि इस तरह का जघन्य, अमानुषिक और सामूहिक

बलात्कार पुलिस के कर्मचारियों और पुलिस के अधिकारियों ने मिलकर कहीं अन्यत्र किया हो। माया त्यागी काण्ड हुआ। सिकन्दराबाद और हैदराबाद में एक ऐसा काण्ड हुआ था। ऐसे दो-चार काण्ड हुये हैं। लेकिन सामूहिक रूप से इस प्रकार से बलात्कार किया गया हो, यह कभी सुना नहीं। इस घटना को जिस व्यक्ति ने उजागर किया वह है श्री फगुनी प्रसाद यादव। ये पूर्व विधायक है। उन्होंने प्रेस में ले जाकर इस बात को हाईलाइट किया और बताया कि पुलिस ने किस प्रकार से बर्बरतापूर्ण, अमानुषिक बलात्कार किया और लोगों को लूटा। उन लोगों में से अनेकों को, दर्जनों को पकड़ कर जेल में बंद कर दिया गया ताकि वे किसी प्रकार की आवाज नहीं उठा सकें और इस ग्रामीण काण्ड को दबा दिया जाय। वहां पर पुनीशा डेम बनाने वाले ठेकेदार की मिलीभगत से गांव वालों पर अत्याचार किये गये, बलात्कार किया। आज उन फगुनी प्रसाद यादव की जान पर उन पुलिस अधिकारियों, गुण्डों और पुनाशी डाम के कान्ट्रेक्टर की ओर से खतरा है, उनकी जान पर आफत आई हुयी है। उन्होंने अपने परिवार को वहां से हटा दिया है। लेकिन किसी भी दिन उनकी जान पर खतरा आ सकता है। बिहार सरकार ने अभी तक उनकी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की है। इसलिये मैं केन्द्रीय सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि अगर ऐसे लोगों की जिन्होंने ऐसे कांड को उजागर किया, जिन्होंने पुलिस के कुकर्मों को उजागर किया, अगर ऐसे लोगों की रक्षा सरकार नहीं करेगी तो फिर कौन भविष्य में इस तरह का साहस कर सकेगा। वैसे भी गांवों में लोग डर से नहीं बोलते हैं। अगर ऐसे राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्त्ता भी नहीं बोल सकेंगे तो फिर इसका क्या परिणाम होगा ? माननीय उपसभापति महोदया, इस कांड की जानकारी एक पूर्व विधायक ने पुलिस थाने और जिला अधिकारी को दी थी लेकिन इसके बाद भी यह षड़यन्त्र रोका नहीं गया और इस तरह का बर्बरतापूर्ण और जघन्य काम किया गया। अतः मैं पुनः इस सदन के माध्यम से केन्द्रीय सरकार के गृह मंत्री से निवेदन करूंगा कि ऐसे सामाजिक कार्यकर्त्ता के जीवन की रक्षा की जाय।

श्रीमती मनोरमा पाण्डेय (बिहार) : उपसभापति महोदया, श्री जगदम्बी प्रसाद यादव जी ने जो जिक्र किया कि फगनी प्रसाद यादव की जान को खतरा है यह सरासर गलत है। इसको पोलिटिकलाइज किया जा रहा है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (मध्य प्रदेश) : महोदया, मैं स्वयं पड़रिया गांव गया था। क्या कांग्रेस की माननीय सदस्या इस तथ्य से इंकार करती है कि वहां महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया?

श्रीमती मनोरमा पाण्डेय : दोषी सिपाहियों को सजा दी गई है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अभी तक किसी को सजा नहीं मिली है। खाली चौकीदार को पकड़ा गया है और कुछ पुलिस वालों को मुअत्तिल किया गया है। वहां पर फगुनी प्रसाद यादव को सचमुच में जान से मार देने की धमकियां दी जा रही हैं। हम इसको माननीया, राजनैतिक नही बनाना चाहते। मगर कांग्रेस के सदस्य क्या इस मामले पर इसलिये पर्दा डालने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि बिहार में उनकी सरकार है ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, हम इसका समर्थन करते हैं।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश) : हम यादव जी की बात का समर्थन करते हैं और सरकार की तरफ से उनके जीवन की रक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिये।

श्री अश्विनी कुमार (बिहार) : मैंने भी समर्थन के लिये अपना नाम दिया था।

उपसभापति : मेरे पास नाम नहीं हैं।

श्री अश्विनी कुमार: सब के नाम दिये हुये हैं।

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) : उन सब के नाम जोड़ दीजियेगा।

उपसभापति : आपका नाम जोड़ दिया जायेगा।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: हम यादव जी की बात का समर्थन करते हैं और जिस व्यक्ति ने इस कांड का पर्दाफाश किया है उसके जीवन की पूरी रक्षा होनी चाहिये।

CBI raids on residences of Government officials

SHRI SHANKARRAO NARAYANRAO DESHMUKH (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, I would like to bring to the notice of this august House a very important matter which is very much horrifying and troubling the nation. There is rampant corruption inside places amongst top Government officials in banks, Corporations and other Government... (*Interruptions*)...

श्री अश्विनी कुमार (बिहार) : सदन की परम्परा है कि जब नाम देते हैं उनको एक मिनट बोलने दिया जाता है ।

उपसभापति : देखिये, एक तो आपका नाम मेरे पास है नहीं । इसके बावजद मैंने कह दिया कि आपका नाम भी जोड़ दिया जायेगा । जो बात आप कह रहे हैं उसको मैं मानती हूं और आपका नाम एसोसियेट कर दिया जायेगा ।

श्री अश्विनी कुमार: उपसभापति महोदया, हमें बोलने का समय तो दीजिये. (**व्यवधान**).. सदन की परम्परा है कि कि इसमें सदस्यों को एक मिनट बोलने दिया जाता है ।

उपसभापति : इस विषय पर चर्चा हो चुकी है । आप जानते हैं कि इस पर बहुत बहस हो चुकी है ..(**व्यवधान**).. मैं मानती हूं ..(**व्यवधान**)..

I am on my legs. Please sit down. The Minister of State for Parliamentary Affairs is here. He will take up the matter with the Government. I know that this is a very serious matter and I request the Minister to take it up with the Government... (*Interruptions*)...

श्री अश्विनी कुमार : परम्परा है कि एक मिनट आप बोलने देती हैं । किसी विषय पर आप दस-दस लोगों को बोलने देती हैं । यह इतना महत्वपूर्ण विषय है, महिलाओं के ऊपर अत्याचार हुआ है...

उपसभापति : ऐसी परम्परा है नहीं जो अभी आप कह रहे हैं ।

श्री अश्विनी कुमार : परसों हुआ है।

उपसभापति : आप पहले नाम देते... (**व्यवधान**)...

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश) : एक दो मिनट बोलने दीजिये ।

श्री अश्विनी कुमार : मैंने पहले से अपना नाम दिया था ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have called the name of the other Member. He has half finished his mention and now you rise up in your seats. This is not the *Parampara*.

ऐसी कोई परम्परा नहीं है । मैंने कह दिया कि आपका नाम एसोसियेट कर रहे हैं ।

श्री अश्विनी कुमार : एक-एक मिनट का समय देने में क्या एतराज है । (**व्यवधान**) अगर आप इस प्रकार से करते हैं तो हम लोगों को सदन को छोड़ना पड़ेगा । आपकी अवज्ञा करनी पड़ेगी । (**व्यवधान**) इस लिये मैं सदन को छोड़ रहा हूं ।

(इस समय माननीय सदस्य सभा से उठकर चले गये ।)

SHRI SHANKARRAO NARAYANRAO DESHMUKH: The things are very much horrifying and disturbing the whole of the country. Crores of rupees have been found unaccounted for with the Government officials and top people in the bureaucracy. This is not the first time that we are noticing this feature in the country. It is spreading like tuberculosis in every department and each section. In short I will bring to your notice the departments concerned. The officers allegedly involved in the operation included the General Manager-cum-Chief Editor of the Ministry of I & B, the Ministry of Information and Broadcasting, the General Manager of the Hindustan Aeronautics Limited, Pune, and Chief Manager of the Bank of Baroda, Bombay, a Deputy General Manager of the Union Bank of India now posted in Calcutta and this does not stop at that. The amount involved here is so many crores. The Central Bureau of Investigation, CBI, in searches conducted in various places in the country, yesterday and today, seized assets worth crores of rupees and registered 25 cases against officer of various departments. This does not stop there.